



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 196]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 2, 2008/ज्येष्ठ 12, 1930

No. 196]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 2, 2008/JYAISTHA 12, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 2008

सं. 22 (आर ई-2008)/2004-2009

फा. सं. 01/94/180/ईओपी एक्सटेंशन/ए एम 09/पोस्त्री-4.—विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 (आर ई-2008) में एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. पैरा 4.22.1 के अन्त में निम्नलिखित उप पैरा जोड़ा जाता है :—

“जब कभी किसी उत्पाद के निर्यात पर रोक/प्रतिबंध लगाया जाता है तो रोक लगाने से पूर्व पहले जारी अग्रिम प्राधिकार पत्र के संबंध में निर्यात दायित्व अवधि, संयोजन शुल्क के बिना, रोक की अवधि के बराबर स्वतः बढ़ जाएगी”।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd June, 2008

No. 22 (RE-2008)/2004-2009

F. No. 01/94/180/EOP Extension/AM 09/PC-4.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004-2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, Vol. I (RE-2008):—

1. The following sub-paragraph stands added at the end of paragraph 4.22.1 :—

“Whenever a ban/restriction is imposed on export of any product, export obligation period in respect of advance authorisation already issued prior to imposition of ban, would stand automatically extended for a period equivalent to the duration of ban, without any composition fee”.

This issues in the public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign
Trade & ex-officio Addl. Secy.